अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष—10 अंक—291 | R.N.I.- UPHIN/2012/45127 | लखनऊ | शनिवार 19 फरवरी 2022 | पृष्ठ — 4 | मूल्य—3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन एंव अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी बीघापुर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बीघापुर पुलिस द्वारा हत्या की घटना कारित करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। मा0 प्रधानमंत्री, भारत सरकार जी के जनपद उन्नाव में थाना असोहा क्षेत्रांतर्गत ग्राम चन्दन खेड़ा में प्रस्तावित कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए रंजन कुमार आयुक्त लखनऊ मण्डल एवं बृज भूषण अपर पुलिस महा निदेशक लखनऊ जोन द्वारा कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा इस संबन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी महोदय उन्नाव व पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव उपस्थित रहे।

सीएए विरोधी प्रदर्शनकारियों से वसूली का मामला प्रदेश सरकार ने वापस लिया वसूली का नोटिस

अवध की आवाज

लखनऊ। दिसंबर 2019 में प्रदेश के अलग अलग जिलों में हुए सीएए विरोधी प्रदर्शन के दौरान हुए नुकसान की भरपाई के लिए जारी वसूली नोटिस को सुप्रीम कोर्ट की

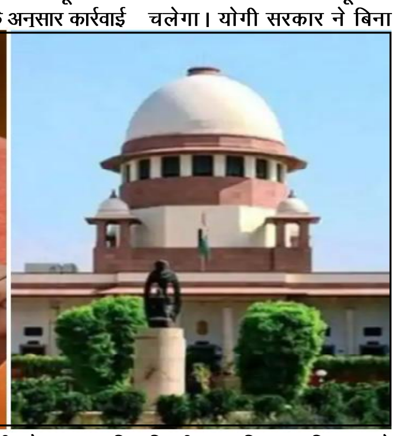

फटकार के बाद प्रदेश सरकार ने वापस ले लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपर जिलाधिकारी की ओर से जारी वसूली नोटिस को न सिर्फ गैर कानूनी माना था, बल्कि अब तक वसूली गई रकम को भी वापस करने के निर्देश दिए हैं। सरकार कानून के तहत कार्रवाई कर सकती है। यानी सरकार द्वारा बनाए गए कानून के तहत टिब्यूनल के जरिए नोटिस जारी किया जा सकता है। शासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अपर जिलाधिकारियों की ओर से भेजी गई 274 नोटिस वापस ले लिया गया है। अब इन मामलों को ट्रिब्यूनल को भेज दिया गया है। उक्त अधिकारी ने बताया कि उच्चतम न्यायालय ने इस संबंध में राज्य सरकार द्वारा नए नोटिस जारी करने के लिए उत्तर प्रदेश लोक एवं निजी सम्पत्ति क्षति वसूली अधिनियम 2020 के अनसार कार्रवाई की अनुमति दी है। इस अधिनियम के तहत मेरठ, लखनऊ और प्रयागराज में दावा अधिकरणों का गठन किया गया है। कांग्रेस ने सीएए—एनआरसी के खिलाफ आंदोलन में शामिल आंदोलनकारियों से वसूली का आदेश रद्द करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत किया है। यूपी कांग्रेस के मीडिया एवं कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि इस मसले पर योगी सरकार और अफसरों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल करने वाले आंदोलनकारियों को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में सिद्दीकी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बता दिया कि देश संविधान और कानून से चलेगा। योगी सरकार ने बिना किसी न्यायिक प्रक्रिया के सैकड़ों लोगों के खिलाफ वसूली नोटिस जारी कर दी थी। उस समय भी कांग्रेस पार्टी ने इसका जोरदार विरोध किया था। प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी ने सड़क पर उतरकर आवाज उठाई थी, लेकिन प्रदेश सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंगी थी। सुप्रीम कोर्ट का आदेश साबित करता है कि योगी सरकार का लोकतंत्र पर कोई विश्वास नहीं है। इस मुद्दे पर तमाम दूसरे विपक्षी दल भी कुछ नहीं बोले। कांग्रेस के पूर्व विधायक और प्रदेश कोषाध्यक्ष सतीश आजमानी ने कहा कि भाजपा सरकार नियम—कानूनों की परवाह नहीं करती है। सीएए विरोधी आंदोलन में शामिल रहीं कांग्रेस नेता सदफ जाफर ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। इस मौके पर मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन डॉ. पंकज श्रीवास्तव, प्रिंट मीडिया संयोजक अशोक सिंह, प्रवक्ता सचिन रावत भी मौजूद थे।

समयबद्ध तरीके से निस्तारित होंगे शमन मानचित्र के प्रकरण

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने शमन सेल को किया सुदृढ़, शमन एवं कम्प्लीशन सर्टिफिकेट के आवेदनों का होगा डिजिटाइजेशन

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण में शमन मानचित्र और कम्प्लीशन सर्टिफिकेट के लिए आवेदन करने आने वाले लोगों को अब चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने इसके लिए नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत शमन एवं कम्प्लीशन सर्टिफिकेट के आवेदन/पत्रावलियां प्रवर्तन जोन में न जमा होकर सीधे शमन सेल में प्राप्त की जायेंगी, जिनका सेल में तैनात अधिकारियों द्वारा समयबद्ध तरीके से निस्तारण किया जायेगा। शुक्रवार को प्राधिकरण भवन में शमन सेल के कार्यों के सम्बन्ध में हुई समीक्षा बैठक में उपाध्यक्ष ने इस बाबत आदेश जारी किए। उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने सभी जोनल अधिकारियों को निर्देशित किया कि शमन मानचित्र व कम्प्लीशन सर्टिफिकेट के जितने भी आवेदन/पत्रावलियां जोनल अधिकारी/प्रवर्तन जोन कार्यालय में लम्बित हैं, उन्हें शमन सेल को एक सप्ताह में सौंप दिया जाए। उसके बाद कोई भी

शमन एवं कम्प्लीशन प्रार्थना पत्र प्रवर्तन जोन में नहीं लिये जायेंगे। यह सीधे शमन सेल में प्राप्त किये जायेंगे। इस सम्बन्ध में सभी जोनल अधिकारियों को यह प्रमाण पत्र भी देना होगा कि समस्त पत्रावलियां शमन सेल को प्रेषित कर दी गयी हैं। उपाध्यक्ष ने अगली समीक्षा बैठक तक इस कार्य को पूरा किये जाने के निर्देश दिये। बैठक में उपाध्यक्ष को यह अवगत कराया गया कि वर्तमान समय में शमन सेल में एक अधीक्षण अभियन्ता, एक सहायक अभियन्ता तथा 5 अवर अभियन्ता ही तैनात हैं और कार्यों को सुचारू रूप से करने के लिए अतिरिक्त अभियन्ताओं और कर्मचारियों की आवश्यकता है। इस पर उपाध्यक्ष ने 2 अतिरिक्त अवर अभियन्ता, 14 सुपरवाईजर, 2 लिपिक, 2 आपरेटर एवं 1 अनुभाग अधिकारी को शमन सेल में तैनात किए जाने के सम्बन्ध में अधिष्ठान अनुभाग को निर्देशित किया। उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि शमन मानचित्र एवं कम्प्लीशन सर्टिफिकेट के आवेदन पत्रों के त्वरित निस्तारण व मानीटरिंग के लिए सम्बन्धित दस्तावेजों का डिजिटाइजेशन कराया जाएगा। इसके लिए उन्होंने प्रोग्रामर एनालिस्ट राघवेन्द्र मिश्रा को प्रारूप तैयार करने के निर्देश दिये हैं। बैठक में अधीक्षण अभियन्ता जहीरूद्दीन, प्रोग्रामर एनालिस्ट राघवेन्द्र मिश्रा समेत सभी जोनल/प्रवर्तन अधिकारी उपस्थित रहे।

पांच ब्राह्मण संगठनों कांग्रेस लखनऊ पूर्वी प्रत्याशी मनोज तिवारी के समर्थन में उतरे

ब्राह्मणों का अपमान बर्दाश्त नहीं—मनोज तिवारी'

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ पूर्वी विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी मनोज तिवारी के पक्ष में आज केंद्रीय कार्यालय में ब्राह्मण संगठनों के महासंघ ने बैठक कर मनोज तिवारी के पक्ष में खुला मतदान करने की अपील की। बैठक में मुख्य रूप से अखिल भारतीय चाणक्य परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री महाराज सुरेंद्र पांडेय व प्रदेश अध्यक्ष दिनेश कांत पांडेय, ब्रह्म समाज के पंडित अजय शर्मा, अखिल भारतीय पूर्वांचल ब्राह्मण संगठन के पंडित सुरेश शुक्ला, परसराम अखाड़ा परिषद के पंडित श्रवण अवस्थी, भारतीय ब्राह्मण महासभा के पंडित सिद्धेश्वर दुबे, और ६ ब्राह्मण महासंघ के महाराज धनंजय द्विवेदी ने लखनऊ पूर्वी कांग्रेस प्रत्याशी मनोज तिवारी के केंद्रीय कार्यालय में आकर मनोज तिवारी को बिना शर्त समर्थन पत्र सौंपा। बैठक को संबोधित करते हुए महासंघ के ब्राह्मणों ने ऐलान किया कि वह पूर्वी विधानसभा में हर ब्राह्मण घर में जा जाया कर मनोज तिवारी के पक्ष में वोट डालने की अपील करेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए ब्राह्मण देवताओं ने कहा कि पिछले 30 सालों से प्रदेश में ब्राह्मणों का अपमान हो रहा है लेकिन

अब वह ब्राह्मणों का अपमान नहीं सहेंगे आगामी विधानसभा में अधिक से अधिक ब्राह्मण प्रत्याशियों को जीता कर सदन भेजेंगे। कार्यालय में आयोजित हुई सभा को संबोधित करते हुए लखनऊ पूर्वी कांग्रेस प्रत्याशी मनोज तिवारी ने कहा कि अब ब्राह्मणों का अपमान बर्दाश्त नहीं होगा। ब्राह्मण के सम्मान और हक के लिए उन्होंने कमर कस ली है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 5 साल में ब्राह्मणों की जो संस्थागत हत्याएं हुई है उसकी स्वतंत्र एजेंसी और सीबीआई से जांच कराकर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने का काम करेंगे। प्रत्याशी मनोज तिवारी ने कहा कि ब्राह्मण हमेशा शांति सद्भाव समता और समानता पर आधारित सर्व समाज का निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पूर्वी विधान सभा के ब्राह्मण मौजूदा विधायक की गैरमौजूदगी और जनता की अवेहलना के चलते पूरी तौर पर कांग्रेस के पक्ष में लामबंद हो चुका है। मेरी जीत सुनिश्चित है। मैं ऐतिहासिक जीत दर्ज करने जा रहा हूं। उधर मनोज तिवारी और उनके समर्थकों ने घर घर जनसंपर्क किया और इसके बाद जुम्मे की मस्जिदों किया व्यापक प्रचार , मांगा वोट। क्षेत्र में आने वाली प्रमुख मस्जिदें पानी गांव की दो मस्जिद करामत मस्जिद खुर्रम नगर की चार मस्जिद विकासनगर की तीन मस्जिद, सुरेंद्र नगर की मस्जिद फातिमी मस्जिद हरी मस्जिद चाँद मस्जिद में अलग अलग टीम बना कर पर्चा वितरण कर मनोज तिवारी के पक्ष में वोट मंगा जिसमे व्यापक जनसमर्थन मिला। 4 बजे के आस पास मनोज तिवारी अपने समर्थकों के साथ इरम कालेज के शिक्षकों और छात्राओं को संबोधित कर वोट मांगा। रात का प्रचार मनोज तिवारी ने सेक्टर 7 विकास नगर, लोहिया नगर कल्याण पुर खुर्रम नगर आदि क्षेत्र में पैदल यात्रा कर अपने पक्ष में आशीर्वाद और वोट मांगा। प्रचार में पूर्व विधायक श्याम किशोर शुक्ला आईसीसी पर्यवेक्षक रंजना मिश्रा प्रवक्ता कृष्णकांत पांडेय ओंकार नाथ सिंह ओबेदुल्ला नासिर प्रमोद सिंह विपिन शुक्ला अमरनाथ अग्रवाल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

रैली में जा रहा कार्यकर्ता हादसे में घायल

अवध की आवाज ब्यूरो

अमानीगंज अयोध्या। तहसील मिल्कीपुर के अंतर्गत बहादुगंज बाजार के पास वाहन ने मारी टक्कर, महात्मा गांधी इंटर कालेज में भाजपा की रैली में जा रहा था युवक। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र अमानीगंज महात्मा गांधी इंटर कालेज में अयोजित रैली में मोटरसाइकिल से जा रहे थे युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। जिससे हालत गम्भीर बनी हुई है। कुमारगंज थाना क्षेत्र के बिरौली गांव निवासी छोटू मिश्रा रैली के लिए जा रहे थे कि बहादुरगंज बाजार से जैसे अमानीगंज की ओर निकले कि उनकी मोटर साइकिल में पीछे से अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से युवक सड़क पर गिर गया तथा मोटर साइकिल गहरे गड़डे में जा घुसी। साथी भाजपा कार्यकर्ताओं ने इसकी सूचना एम्बुलेंस को देते हुए विधायक को दी।आनन फानन में घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खण्डासा अस्पताल ले जाया गया। जहाँ गम्भीर हालत में इलाज चल रहा है। समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर से बात की गई तो उन्होंने बताया कि उपचार चल रहा है और वह खतरे से अब बाहर है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की भगवंत नगर प्रत्याशी को जिताने की जनता से अपील

अवध की आवाज

उन्नाव। आर आर बी एन इंटर कॉलेज भगवंत नगर पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित उन्नाव सांसद डॉक्टर साक्षी महाराज व जिला पंचायत अध्यक्षा शकुन सिंह व भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजकिशोर रावत सहित सभी लोगों ने प्रत्याशी आशुतोष शुक्ला को जिताने की अपने संबोधन में अपील की । वहीं पर मौजूद जन समुदाय ने जय जय श्रीराम के नारे लगाए। भगवंत नगर उन्नाव में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके विचारों को सुनने के लिए भगवंत नगर आर आर बी इंटर कॉलेज फील्ड में जहां पर हेलीकाप्टर उतरा। वहां पर मौजूद जन समुदाय से अवध की आवाज के ब्यूरो चीफ गुड्डू मिश्रा व अवध की आवाज टीम के साथ पहुंचकर मौजूद लोगों से आने एवं सरकार की उपलब्धियों एवं किस के समर्थन में आप लोग आए हो इस पर वार्ता की। मौजूद समुदाय ने जय जय श्रीराम के नारे लगाए और भगवंतनगर प्रत्याशी के समर्थन में आने की बात कही ।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के रोड शो में जुटी ऐतिहासिक भीड़, उमड़ पड़ा जनसैलाब

लायन सफारी से लेकर शहर में अखिलेश का हुआ पुष्प वर्षा से अभूतपूर्व स्वागत

अवध की आवाज

इटावा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के रोडशो में जनसैलाब उमड़ पड़ा, लायन सफारी से शहर होते हुए भरथना चौराहे तक सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं सहित जनता ने जगह जगह अखिलेश यादव का अभूतपूर्व स्वागत किया। शहर यूपी में साइकिल चलेगी की गूंज से गूंजता रहा। नेता जी मुलायम सिंह यादव और चाचा शिवपाल सिंह भी अखिलेश यादव के साथ रथ में सवार हो गए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लायन सफारी के पास विजय रथ पर सवार होकर अपार लोगों की भीड़ का हाथ उठाकर अभिवादन किया। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव, प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष अंशुल यादव, सपा जिलाध्यक्ष गोपाल यादव, पूर्व चेयरमैन फुरकान अहमद, सपा प्रत्याशी सर्वेश शाक्य, पूर्व सांसद राम सिंह शाक्य, पूर्व सपा जिलाध्यक्ष राजीव यादव, इंजी. हरि किशोर तिवारी, कार्तिकेय यादव आदि अखिलेश यादव के साथ रथ पर सवार थे। मो. मंसूर ने अपने काफिले के साथ अखिलेश यादव का ऐतिहासिक स्वागत किया। इसके बाद अखिलेश का विजय रथ रोडशो के रूप में टिकसी मंदिर तिराहे पहुंचा जहां पूर्व चौयरमैन जहीर अहमद अंसारी, फिरोज अहमद अंसारी, इमरान अंसारी स्वागत किया। सपा महिला सभा जिलाध्यक्ष लीलावती राजपूत ने सैकड़ों महिलाओं के साथ अखिलेश का स्वागत किया। बाह अड्डा पर मुस्लिम समाज की ओर से वार्ड अध्यक्ष मो. अकबर, राम सेवक यादव, अतीकुर्रहमान, सरफराज अहमद, मुबीना

बेगम ने ढोल, नगाड़ों के साथ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का अभूतपूर्व स्वागत कर शहर में सपा का परचम पहराने का भरोसा दिलाया। पचराहे पर शहर अध्यक्ष वसीम चौधरी, एसएम मुस्तकीम, नगर पालिका गेट पर चेयरमैन नौशाबा फुरकान, सभासद इकबाल, राम सिंह, शोभाराम, रमेश, धर्मवीर, हरी मोहन गुप्ता, विकास तोमर, पुष्पा यादव ने अखिलेश यादव का पुष्प वर्षा से जोशीला स्वागत किया। इसके अलावा हाजी मो. अल्ताफ, पप्पन सिंधी, जैनुल आब्दीन, मुबारक अंजुम, नफीसुल अंसारी, राहत हुसैन रिजवी, कामरान खान, शफी अहमद बालक, आलोक दीक्षित, डॉ. आशीष दीक्षित, कामिल कुरैशी, अमित सोनी, रिजवान कुरैशी, अनीस चौधरी, ने भी जोशीला स्वागत किया।

सम्पादकीय

महान साधक थे रामकृष्ण परमहंस

स्वामी रामकृष्ण परमहंस भारत के एक ऐसे महान संत एवं विचारक थे जिन्होंने सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया था। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं।

ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति की। अपनी साधना से रामकृष्ण इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं है। वे ईश्वर तक पहुंचने के भिन्न–भिन्न साधन मात्र हैं।

श्री रामकृष्ण परमहंस अपने समय के महान साधक व मानवता के पुजारी थे। इनका जन्म पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में कामारपुकुर नामक गांव में 18 फरवरी 1836 को एक निर्धन निष्ठावान ब्राहमण परिवार में हुआ था। इनके जन्म पर ही प्रसिद्ध ज्योतिषियों ने रामकृष्ण के महान भविष्य की घोषणा कर दी थी। ज्योतिषियों की भविष्यवाणी सुन इनकी माता चन्द्रा देवी तथा पिता क्षुदिराम अत्यन्त प्रसन्न हुए। इनको बचपन में गदाधर नाम से पुकारा जाता था।

पांच वर्ष की उम्र में ही वे अद्भुत प्रतिभा और स्मरणशक्ति का परिचय देने लगे। अपने पूर्वजों के नाम व देवी– देवताओं की स्तुतियां, रामायण, महाभारत की कथायें इन्हें कंठस्थ याद हो गई थी। 1843 में उनके पिता का देहांत हो गया तो परिवार का पूरा भार इनके बड़े भाई रामकुमार पर आ पड़ा था। रामकृष्ण जब नौ वर्ष के हुए तो उनके यज्ञोपवीत संस्कार का समय निकट आया। उस समय एक विचित्र घटना हुई। ब्राह्मण परिवार की यह परम्परा थी कि नवदिक्षित को इस संस्कार के पश्चात अपने किसी सम्बंधी या किसी ब्राह्मण से पहली शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। एक लुहारिन जिसने रामकृष्ण के जन्म से ही परिचर्या की थी। बहुत पहले ही उनसे प्रार्थना कर रखी थी कि वह अपनी पहली भिक्षा उसके पास से प्राप्त करे। लुहारिन के सच्चे प्रेम से प्रेरित हो बालक रामकृष्ण ने वचन दे दिया था। अतः यज्ञोपवीत के पश्चात घर वालों के लगातार विरोध के बावजूद उन्होंने ब्राह्मण परिवार में प्रचलित प्रथा का उल्लंघन कर अपना वचन पूरा किया। यह घटना सामान्य नहीं थी। सत्य के प्रति प्रेम तथा इतनी कम उम्र में सामाजिक प्रथा के इस प्रकार ऊपर उठ जाना, रामकृष्ण की आध्यात्मिक क्षमता और दूरदर्शिता को ही प्रकट करता है।

रामकृष्ण का मन पढ़ाई में न लगता देख उनके बड़े भाई उन्हें अपने साथ कलकत्ता ले आये और अपने पास दक्षिणेश्वर में रख लिया। यहां का शांत एवं सुरम्य वातावरण रामकृष्ण को अपने अनुकूल लगा। 1858 में इनका विवाह शारदा देवी नामक पांच वर्षीय कन्या के साथ सम्पन्न हुआ। जब शारदा देवी ने अपने अट्ठारहवें वर्ष में पदार्पण किया तब श्री रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर के पुण्यपीठ के अपने कमरे में उनकी षोड़शी देवी के रूप में यथोपचार आराधना की। यही शारदा देवी रामकृष्ण संघ में माताजी के नाम से परिचित हैं।

रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। एक थी भैरवी, जिन्होंने उन्हें अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे श्री तोतापुरी जो उनके अन्तिम गुरु थे। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्ध मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे। गंगा नदी के दूसरे किनारे रहने वाली भैरवी को अनुभूति हुई कि एक महान संस्कारी व्यक्ति रामकृष्ण को उसकी दीक्षा की आवश्यकता हैं। गंगा पार कर वो रामकृष्ण के पास आयी तथा उन्हें कापालिक दीक्षा लेने को कहा। रामकृष्ण ने भैरवी से दीक्षा ग्रहण की। भैरवी द्वारा बतायी पद्धति से वो लगातार साधना करते रहे तथा मात्र तीन दिनों में ही सम्पूर्ण क्रिया में निपुण हो गये। रामकृष्ण के अन्तिम गुरु तोतापुरी थे जो सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। वे रामकृष्ण के पास आये तथा उन्हें दीक्षा दी। रामकृष्ण को दीक्षा दी गई परम शिव के निराकार रूप के साथ पूर्ण संयोग की। पर आजीवन तो उन्होंने मां काली की आराधना की थी। वे जब भी ध्यान करते तो मां काली उनके ध्यान में आ जाती और वे भावविभोर हो जाते। निराकार का ध्यान उनसे नहीं हो पाता था।

तोतापुरी ध्यान सिद्ध योगी थे। वे समस्या जान गये कुछ दिनों बाद उन्होने रामकृष्ण को अपने पास बिठाकर साधना करायी। तोतापुरी को अनुभव हुआ कि रामकृष्ण के ध्यान में मां काली प्रतिष्ठित हैं। उन्होंने शक्ति सम्पात के द्वारा रामकृष्ण को निराकार ध्यान में प्रतिष्ठित करने के लिये बगल में पड़े एक शीशे के टुकड़े को उठाया और उसका रामकृष्ण के आज्ञाचक्र पर आघात किया, जिससे रामकृष्ण को अनुभव हुआ कि उनके ध्यान की मां काली चूर्ण–विचूर्ण हो गई हैं और वे निराकार परमशिव में पूरी तरह समाहित हो चुके हैं। वे समाधिस्थ हो गये। ये उनकी पहली समाधि थी जो तीन दिन चली। तोतापुरी ने रामकृष्ण की समाधि टूटने पर कहा– मैं पिछले 40 वर्षों से समाधि पर बैठा हूं पर इतनी लम्बी समाधि मुझे कभी नहीं लगी।

रामकृष्ण परमहंस का जीवन और व्यक्तित्व रहस्यमयी रहा। उनकी जीवन–शैली और उनका व्यवहार अच्छे–अच्छों की भी समझ से बाहर का था। इतना अजीब था कि ज्यादातर लोग उन्हें पागल तक समझते थे। कुछ ने तो उनके दिमाग का इलाज कराने तक की कोशिश की। लेकिन ढाका के एक मानसिक चिकित्सक ने उनकी युवावस्था में ही कहा था कि असल में यह आदमी एक महान योगी और तपस्वी है। जिसे दुनिया अभी समझ नहीं पा रही है।

रामकृष्ण परमहंस के पास जो कोई भी जाता वह उनकी सरलता, निश्छलता, भोलेपन और त्याग से इतना अभिभूत हो जाता कि अपना सारा पांडित्य भूलकर उनके पैरों पर गिर पड़ता था। गहन से गहन दार्शनिक सवालों के जवाब भी वे अपनी सरल भाषा में इस तरह देते कि सुनने वाला तत्काल ही उनका मुरीद हो जाता। इसलिए दुनियाभर की तमाम आधुनिक विद्या, विज्ञान और दर्शनशास्त्र पढ़े महान लोग भी जब दक्षिणेश्वर के इस निरक्षर परमहंस के पास आते, तो अपनी सारी विद्वता भूलकर उसे अपना गुरु मान लेते थे।

इनके प्रमुख शिष्यों में स्वामी विवेकानन्द, दुर्गाचरण नाग, स्वामी अद्भुतानंद, स्वामी ब्रह्मानंदन, स्वामी अद्यतानन्द, स्वामी शिवानन्द, स्वामी प्रेमानन्द, स्वामी योगानन्द थे। श्री रामकृष्ण के जीवन के अन्तिम वर्ष करुण रस से भरे थे। 16 अगस्त, 1886 सोमवार ब्रह्म मुहूर्त में अपने भक्तों और स्नेहितों को दुख के सागर में डुबोकर वे इस लोक में महाप्रयाण कर गये।

रामकृष्ण परमहंस महान योगी, उच्चकोटि के साधक व विचारक थे। सेवा पथ को ईश्वरीय, प्रशस्त मानकर अनेकता में एकता का दर्शन करते थे। सेवा से समाज की सुरक्षा चाहते थे। रामकृष्ण का सारा जीवन अध्यात्म–साधना के प्रयोगों में बीता। वे लगातार कई घंटों तक समाधि में लीन हो जाते थे। चौबीस घंटे में बीस–बीस घंटों तक वे उनसे मिलने वाले लोगों का दुख–दर्द सुनते और उसका समाधान भी बताते। रामकृष्ण परमहंस के भोले प्रयोगवाद में वेदांत, इस्लाम और ईसाइयत सब एकरूप हो गए थे। निरक्षर और पागल तक कहे जाने वाले रामकृष्ण परमहंस ने अपने जीवन से दिखाया था कि धर्म किसी मंदिर, गिरजा, विचारधारा, ग्रंथ या पंथ का बंधक नहीं है।

रामकृष्ण परमहंस मुख्यतः आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता थे। जिन्होंने देश में राष्ट्रवाद की भावना को आगे बढ़ाया। उनकी शिक्षा जातिवाद एवं धार्मिक पक्षपात को नकारती हैं। रामकृष्ण ने इस्लाम, बौद्ध, ईसाई, सिख धर्मों की विधिवत रूप से शिक्षा ग्रहण कर साधनायें की थी। ब्रह्म समाज के सर्वश्रेष्ठ नेता केशवचंद्र सेन, पंडित ईश्वरचंद विद्यासागर, बंकिमचंद्र चटर्जी, माइकेल मधुसूदन दत्त, कृष्णदास पाल, अश्विनी कुमार दत्त से रामकृष्ण घनिष्ठ रूप से परिचित थे।

राजनीति का गिरता स्तर

–कुलदीप चंद अग्निहोत्री–

सत्ता प्राप्ति के लिए कितना गिरा जा सकता है, इसका अनुभव इन दिनों पंजाब की राजनीति में किया जा सकता है। वहां विधानसभा के लिए चुनाव हो रहे हैं। वर्तमान में वहां सोनिया कांग्रेस की सरकार है। उसे अकाली दल, आम आदमी पार्टी और एनडीए से चुनौती दी जा रही है। वैसे तो संयुक्त किसान मोर्चा भी मैदान में है, लेकिन वह खेल बिगाड़ने वाला ज्यादा सिद्ध हो सकता है, जीतने वालों में अभी उसका शुमार नहीं हो पाया। सोनिया कांग्रेस की सरकार और सत्ता दोनों ही दांव पर है, इसलिए वह पंजाब में अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करेगी, इसमें कोई संशय नहीं है। लेकिन इसके लिए पार्टी किस स्तर तक जा सकती है, इसका अनुभव कुछ दिनों से हो रहा है। दो दिन पहले सोनिया कांग्रेस की पंजाब में चुनाव रैली थी। मुख्यमंत्री चरनजीत सिंह चन्नी और कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी उस रैली में थीं। मुख्यमंत्री चन्नी ने वहां बहुत ही जोश से घोषणा की कि पंजाब में उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली के भैये राज करना चाहते हैं। हम ऐसा नहीं होने देंगे। उसके बाद उन्होंने पंजाब के लोगों से अपील की कि सभी पंजाबी इकट्ठे हो जाओ और इन भैयों को पंजाब में मत घुसने दो। सबसे ताज्जुब की बात तो यह है जब चन्नी लोगों को इन 'भैयों' के खिलाफ ललकार रहे थे तो प्रियंका गांधी मंच पर ही खड़ी होकर तालियां बजा रही थी। सत्ता प्राप्त करने के लिए भारत के एक इलाके के लोगों को दूसरे इलाके के लोगों के खिलाफ भड़काने का काम उस पार्टी की ओर से किया जा रहा है जो अपने आप को राष्ट्रीय पार्टी लिखती और कहती है। महात्मा गांधी कहा करते थे कि सत्ता प्राप्ति के लिए जिन साधनों का प्रयोग किया जाए, वे शुद्ध होने चाहिए।

गलत साधनों से प्राप्त की गई सत्ता जन कल्याणकारी नहीं हो सकती। अपने अंतिम दौर में पहुंच चुकी सत्ता की इस लड़ाई में जीतने के लिए कांग्रेस ने भारत के एक प्रांत के लोगों को दूसरे प्रांत के लोगों से लड़ाने का यह जो नया हथियार निकाला है, क्या इसे शुद्ध साधन कहा जा सकता है? चरनजीत सिंह चन्नी उस प्रांत के लोगों को पंजाब में न घुसने देने के लिए कह रहे हैं जिसमें दशगुरु परंपरा के दसवें गुरु श्री गोविंद सिंह जी का जन्म हुआ था। जन्मसाखियों में आता है कि पटना के लोग बाल गोविंद की लीलाएं देखने के लिए लालायित रहते थे। इधर चन्नी केवल सत्ता प्राप्ति के लिए अपनी निकृष्ट लीला का प्रदर्शन कर रहे हैं। जब चन्नी देश के लोगों को आपस में लड़ाने के लिए पंजाब के लोगों को उकसा रहे थे तो प्रियंका गांधी को मंच पर इसका विरोध करना चाहिए था। इसलिए नहीं कि वे स्वयं उत्तर प्रदेश या दिल्ली से ताल्लुक रखती हैं, बल्कि इसलिए कि चन्नी उनके सामने ही देश को तोड़ने का आह्वान कर रहे थे। लेकिन प्रियंका गांधी ने इसका विरोध नहीं, बल्कि खढुशी में तालियां बजा–बजा कर इसका खुलेआम समर्थन किया। इससे सोनिया कांग्रेस की भीतर की सोच और रणनीति प्रकट होती है। 1984 में उसने इसी प्रकार पंजाब के खिलाफ कुछ लोगों को भड़का कर दिल्ली में नरसंहार करने दिया था।

उद्देश्य तब भी एक ही था। किसी भी साधन से सत्ता प्राप्त करना। उधर सोनिया कांग्रेस के ही एक दूसरे नेता सुनील जाखड़ इससे भी खढतरनाक अभियान छेड़े हुए हैं। जहां चन्नी एक प्रांत के लोगों को दूसरे प्रांत के लोगों से लड़ाने की गोटियां बिछा रहे हैं, वहीं सुनील जाखड़ पंजाब में ही एक बिरादरी के लोगों को दूसरी बिरादरी के लोगों से लड़ाने के लिए झाग उगल रहे हैं। उद्देश्य वही है किसी तरह भी कांग्रेस के हाथ से सत्ता नहीं जानी चाहिए। कर्नाटक में एटीएम मूल के कुछ मुसलमानों ने भारतीय मुसलमानों की लड़कियों को आगे करके 'हिजाब आंदोलन' चला रखा है। भारत में एटीएम के मुसलमान अरब, तुर्क व मुगल मंगोल मूल के हैं। वे हमलावरों के साथ हिंदुस्तान में आए थे और यहीं बस गए, लेकिन यहां की मिट्टी से नहीं जुड़ पाए। वे अभी भी उन दिनों के सपने देखते रहते हैं जिन दिनों उनके पुरखो हिंदुस्तान पर राज करते थे। लेकिन उनके दुर्भाग्य से एटीएम मूल के मुसलमानों की संख्या भारत में बमुश्किल दो से पांच प्रतिशत से ज्यादा नहीं है। इसलिए वे अपनी कुटिल रणनीति के लिए भारतीय मुसलमानों को, जिन्हें वे दोयम दर्जे का मानते हैं, आगे कर देते हैं। कर्नाटक में भी यही हो रहा है। एटीएम ने वहां भारतीय मूल के मुसलमानों की लड़कियों को आगे करके स्कूल की यूनिफार्म या वर्दी के खिलाफ आंदोलन छेड़ रखा है। उनका कहना है कि मुसलमानों के बच्चे स्कूल में स्कूल की वर्दी नहीं पहनेंगे, बल्कि हिजाब पहनेंगे। इस आंदोलन का पंजाब से कुछ लेना–देना नहीं है। लेकिन सोनिया कांग्रेस के सुनील जाखड़ इस आंदोलन को पंजाब में ही एक दूसरे रूप में लाना चाहते हैं। वह जगह–जगह लोगों को ललकार रहे हैं कि सावधान हो जाओ। आज कर्नाटक में हिजाब पर हाथ डाला जा रहा है, कल पंजाब में दस्तार यानी पगड़ी पर हाथ डाला जाएगा। स्कूल की वर्दी के नाम से पगड़ी पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। अंधे को अंधेरे में दूर की सूझी।

जाहिर है यह चुनाव के दिनों में पंजाब में में हिंदू और सिख को आमने–सामने लाने की घटिया कोशिश कही जाएगी। कुल मिला कर कांग्रेस की सत्ता प्राप्त करने के लिए यह नई रणनीति है जिसका फिलहाल पंजाब में प्रयोग किया जा रहा है, यह जानते हुए भी कि पंजाब सीमांत राज्य है। क्या ऐसा तो नहीं कि सुनील जाखड़ परोक्ष रूप से पाकिस्तान को ही सुझाव दे रहे हों कि पंजाब में आप इस मुद्दे को भी अपने व्यापक साधनों का प्रयोग करके उछाल सकते हो। वैसे भी पाकिस्तान हिजाब बनाम स्कूल वर्दी के इस मसले पर आग उगल ही रहा है। सुनील जाखड़ ने तो संकेत ही किया है कि यह खेला पंजाब में भी खेला जा सकता है। मुझे लगता है बाबा साहिब भीमराव रामजी अंबेडकर कांग्रेस की मानसिकता को शुरुआती दौर में ही समझ गए थे। उन्होंने उन दिनों ही कांग्रेस के प्रमुख लोगों की मानसिकता और रणनीति का गहराई से अध्ययन किया था और अपना निष्कर्ष प्रस्तुत किया था कि कांग्रेस भारत में सामाजिक समरसता एवं परिवर्तन के लिए नहीं लड़ रही, बल्कि वह तो केवल मात्र सत्ता प्राप्ति की लड़ाई लड़ रही है। उसे न साधनों की शुचिता की चिंता है और न उसके परिणाम की। वह तो हर हालत में कुर्सी हथियाना चाहती है। पंजाब में कांग्रेस की हरकतों को देख कर लगता है बाबा साहिब अंबेडकर सचमुच सही रूप में कांग्रेस को पहचान गए थे। यदि ऐसा न होता तो न तो सुनील जाखड़ पंजाब में हिंदू और सिखों में दरार डालने की कोशिश करते और न ही चन्नी पंजाब के लोगों को यूपी–बिहार के लोगों के खिलाफ भड़काते। पंजाब में कांग्रेस उसी खढतरनाक रास्ते पर चल पड़ी है जिसके चलते पंजाब पहले ही बहुत संताप भोग चुका है।

लेकिन अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी सत्ता के लिए किस हद तक जा सकती है, उसकी चर्चा कर लेना भी बेहतर होगा। इसका खढुलासा केजरीवाल के ही एक दूसरे साथी कुमार विश्वास ने किया जो किन्हीं कारणों से कुछ अरसा पहले उनसे खढफा हो गए थे। सभी जानते हैं कि 2017 के पंजाब विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी भी पंजाब में सत्ता के लिए इस बार की तरह ही प्रयासरत थी। उन दिनों उसे तथाकथित चंद खालिस्तानी समर्थकों का भरपूर सहयोग मिल रहा था। पंजाब में तो खालिस्तान का नाम लेने वाले गिने–चुने ही हैं, इसलिए कनाडा–अमेरिका में बैठे इस आंदोलन के पैरोकार आम आदमी पार्टी के पक्ष में खढूब प्रचार कर रहे थे, धन भी दे रहे थे और पांच हजार के लगभग लोग समर्थन देने के लिए पंजाब में आ भी गए थे। केजरीवाल लुधियाना में एक खालिस्तानी समर्थक के घर भी हो आए थे। उन दिनों आम आदमी पार्टी के भीतर क्या चल रहा था, इसी का खढुलासा कुमार विश्वास ने किया है। उनके अनुसार केजरीवाल मानते थे कि यदि अलग खालिस्तान बनता है तो इस अपार समर्थन के चलते वे उसके पहले प्रधानमंत्री बन सकते हैं। यह उन दो प्रमुख दलों की राजनीति के भीतर की कथा है जो इस चुनाव में एक बार फिर सत्ता हथियाने के लिए छटपटा रहे हैं।

बेहद अलग से दिख रहे हैं 5 राज्यों के चुनाव

–ऋतुपर्ण दवे–

क्या पाँच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव वाकई देश की राजनीति में नया प्रयोग का रास्ता बनने जा रहे हैं। यूँ तो अब तक इस मिथक को तोड़ नहीं जा सका है कि दिल्ली की सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से ही होकर गुजरता है। काफी हद तक सही भी है। उत्तर प्रदेश के उत्तराखण्ड में बँट जाने के बाद भी हैसियत में किसी प्रकार की कोई कमीं नहीं आई। लेकिन राजनीतिक दलों के बनते, बिगड़ते समीकरणों से नया कुछ होने के आसार से इंकार नहीं किया जा सकता है। यह तो सही है कि जीतेगा तो लोकतंत्र लेकिन सत्ता की कुर्सी पर उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में ऊँट किस करवट बैठेगा कहना मुश्किल जरूर है।

देश की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाने वाले अकेले उत्तर प्रदेश की हैसियत 10 मार्च को किस मोड़ पर होगी, अभी कयास ही हैं। पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के हालात काफी अलग हैं। सीधी टक्कर सत्ताधारी भाजपा व सहयोगियों तथा सपा व सहयोगियों के बीच है। बसपा और काँग्रेस मैदान में जरूर हैं पर रेस में दिखते नहीं। 2017 की तरह इस बार किसी लहर का कहर न होने से बाँकी दलों की आस बची हुई है। हाँ, इस बात से इंकार नहीं कि चुनावी नतीजे 2017 से इतर होंगे। उत्तर प्रदेश की सियासत का एक अलग मिजाज है। राजनीतिक दल उम्मीदवारों को स्थानीय उम्मीदों व जातीय आधार पर तय करते हैं। अगड़े–पिछड़े और दलित मतदाताओं की भूमिका की छाप सबसे ज्यादा यहीं दिखती है। वोट कटवा, बी पार्टी, डमी कैण्डिडेट और धार्मिक मुद्दों पर जैसी संवेदनशीलता उत्तर प्रदेश में दिखा करती है, वैसी दूसरे राज्य में उतनी नहीं। इस कारण भी इस बार के चुनाव काफी अलग हैं। इस बात को भी ध्यान में रखना होगा कि अयोध्या विवाद निपटारे के बाद, तेजी से बन रहे राम मंदिर और राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का वादा कि साल 2023 में गर्भ गश्ह में रामलला को विराजमान होंगे चुनाव में असर डालेगा। हिजाब का मसला भी ऐन चुनावों के वक्त भले ही सोची समझी चाल या महज इत्तेफाक हो लेकिन अलग ढ़ंग से भंजाने की कोशिशें होंगी। उत्तर प्रदेश के पहले चरण और दूसरे चरण के मतदान के बाद राजनीतिक दलों के दावे कुछ भी हों लेकिन नतीजों का पिटारा खुलने के बाद ही समझ आएगा कि उत्तर प्रदेश का देश की राजनीतिक धारा मे कैसा दबदबा बना।

उत्तराखण्ड की सभी 70 व गोवा की 40 सीटों के चुनाव भी 14 फरवरी को निपट जाएंगे। यहाँ चुनाव से ठीक पहले यहाँ भी हिजाब विवाद के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का वादा कि भाजपा सरकार बनी तो शपथ ग्रहण के तुरंत बाद यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू कराने खातिर ड्राफ्ट कमेटी बनेगी जिसके दायरे में विवाह, तलाक, जमीन जायदाद व उत्तराधिकार के मामले भी शामिल होंगे, बड़ा राजनीतिक पैंतरा माना जा रहा है। भाजपा ने उत्तराखण्ड में बड़े–बड़े प्रयोग करते हुए चार साल के कार्यकाल में तीन मुख्यमंत्रियों बदले। धामी उनमें सबसे नए हैं। यहाँ आम आदमी पार्टी मुफ्त बिजली और दिल्ली पैटर्न का प्रचार कर अपनी जड़ें जमाने तो काँग्रेस साख बचाने के लिए संघर्षशील दिखी। लेकिन सत्ता के संघर्ष को लेकर ज्यादा कुछ बदले ऐसा लगता नहीं।

सुन्दर समुद्र तटों और एक अलग तरह के खुलेपन के लिए मशहूर गोवा में भाजपा के लिए चुनौती पेश करने की कोशिशें कितनी सफल या विफल होती हैं, नतीजे बताएंगे। लेकिन हाँ इतना जरूर है कि मनोहर परिकर जैसे ईमानदार नेता की कमीं जरूर गोवा वासियों को टीसती रही। पहली बार टीएमसी की धमाकेदार एँट्री से राजनीतिक समीकरण शुरू में जरूर बदलते दिखे। लेकिन जल्द ही कइयों की रुखसती से बड़े करिश्मे की उम्मीद बेकार है। आम आदमी पार्टी भी यहाँ पूरी दमखम से चुनावी मैदान में दिखी जिसका फायदा तय है। लेकिन शिवसेना की गोवा में एँट्री और 10 सीटों पर उम्मीदवारी से सत्ता तक पहुँचने वालों को कितनी मशक्कत करनी पड़ेगी यह वक्त बताएगा। मनोहर परिकर के बेटे उत्पल के निर्दलीय चुनाव लड़ने के बाद पणजी सीट से शिवसेना ने उम्मीदवार वापस कर भविष्य के बड़े संकेत जरूर दे दिए हैं। काँग्रेस कहाँ होगी? क्या इस बार सत्ता तक पहुँच पाएगी, इस पर संदेह सभी को है। हाँ आत्मविश्वास से लबरेज अरविन्द केजरीवाल यहाँ भी दिल्ली सरकार का उदाहरण और सरकारी सेवाओं की डोरस्टेप डिलीवरी से भृष्टाचार के पूरी तरह खात्मे का भरोसा दिलाकर 24 घंटे फ्री बिजली देने का चुनावी वायदा कितना दमदार रहा यह मतपेटियों के खुलने के बाद दिखेगा।

इस बार पंजाब की राजनीति एक त्रिकोण में जरूर फंसी दिखी। कैप्टेन अमरिंदर की काँग्रेस से विदाई और भाजपा से दोस्ती तो सिध्दू के अलग–अलग तेवरों बीच ऐन चुनाव से ठीक पहले दलित कार्ड खेलकर नए मुख्यमंत्री चन्नी को फिर से मुख्यमंत्री का चेहरा प्रोजेक्ट करना पंजाब की राजनीतिक हवा का कितना रुख बदल पाएगा नहीं पता। वहीं आम आदमी पार्टी का भी भगवन्त मान को मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट कर मतदाताओं को लुभाना राजनीति में नया प्रयोग जरूर है। लेकिन लोकतंत्र से इतर है क्योंकि विधायकों के बने बिना ही हक छीनना बेजा लगता है। भाजपा और अकाली दल आज भले ही एक दूसरे के प्रतिद्वन्दी हों लेकिन दखल और धमक की अनदेखी करना बड़ी भूल होगी। पंजाब में सरकार किसी एक दल की होगी या फिर चुनावों के वक्त के बाद कट्टर विरोधी मिल जुलकर सत्ता में बैठेंगे देखने लायक होगा। लजीज पंजाबी डिशेज, मशहूर लस्सी के बीच ड्रग्स की सियासत से पंजाब की अलग बनती छवि का असर चुनावों पर असर दिख रहा है।

मणिपुर की 60 सीटों पर दो चरणों में 28 फरवरी और 5 मार्च को चुनाव होंगे। मणिपुर हिन्दू बहुल राज्य है और आखीर में चुनाव है। सो देश के नामी गिरामी चेहरों की शिरकत तय है। 28 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी होने के बाद काँग्रेस सत्ता से दूर रह गई। जबकि 21 सीटें जीत भाजपा ने स्थानीय दलों व विधायकों से गठजोड़ कर सत्ता हासिल कर ली। इस बार भाजपा गठबंधन की खास सहयोगी नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की बगावत कितनी असरकारक होगी यह नतीजे बताएंगे लेकिन भाजपा के 19 असंतुष्टों को टिकट देकर चुनाव को रोचक जरूर बना दिया है। जबकि काँग्रेस ने सेक्युलर दलों को साथ लेकर नई रणनीति बनाई है। बीते चुनाव में केवल 3 विधायक कम होने के बावजूद फौरन निर्णय में विफल काँग्रेस से 10 सीटें पीछे रहने वाली भाजपा सरकार बना ले गई। क्या इस बार भी ऐसा ही कुछ कुछ या नया दिलचस्प होगा। क्षेत्रीय राजनीतिक दलों नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी), नागा पीपुल्स फ्रण्ट (एनपीएस) के साथ ही वामपंथी खेमा भी पूरी तरह लामबन्द है जिससे चुनाव का एक अलग ही माजरा नजर आता है। हाँ इतना जरूर है कि यहाँ की राजनीतिक सोच अनप्रिडेक्टिबल यानी अप्रत्याशित होती है। क्या इस बार भी होगी?

तो क्या माना जाए कि पाँच राज्य मिलकर देश में 2024 में बनने वाली नई सरकार की तकदीर की तदबीर लिखेंगे या फिर अकेले उत्तर प्रदेश से ही यह रास्ता हमेशा की तरह निकलेगा? इंतजार है 10 मार्च का, नतीजे कुछ भी हों अगले आम चुनावों के लिए जहाँ ये लिटमस टेस्ट तो होंगे ही वहीं मुमकिन है कि राजनीति की नई इबारत भी बनें।

'विश्व व्हेल दिवस'

–विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन–

नीली व्हेल (बलैनोप्टेरा मस्कुलस) एक समुद्री स्तनपायी जीव है। इसकी लंबाई 30 मीटर (98 फीट) तक देखी गई है। इसका वजन 173 टन (191 लघु टन) तक दर्ज किया गया है। यह वर्तमान अस्तित्व में रहने वाले जानवरों में सबसे बड़ा जानवर हैख

इसकी शुरुआत 1980 में हुई। जब हम्पबैक व्हेल के सम्मान में हवाई के मऊ द्वीप पर विश्व व्हेल दिवस मनाया गया।

पुरी दुनिया में फरवरी महीने के तीसरे रविवार को 'विश्व व्हेल दिवस' मनाया जाता है। इस दिन लोग विश्व की खूबसूरत प्राणियों में से एक व्हेल के बारे में जागरूकता फैलाते हैं और व्हेल प्रजाति की समुचित देखभाल और उसके देखभाल में आने वाली चुनौतियों का डटकर सामना करने का संकल्प भी लेते हैं।

इसकी शुरुआत 1980 में हुई। जब हम्पबैक व्हेल के सम्मान में हवाई के मऊ द्वीप पर विश्व व्हेल दिवस मनाया गया। इसकी मुख्य वजह हम्पबैक व्हेल का हवाई तट पर आना था। ऐसा कहा जाता है कि हम्पबैक व्हेल हमेशा हवाई के तट पर तैरती थी। जिससे हम्पबैक व्हेल को देखने के लिए लोगों की भीड़ लगी रहती थी। इसके बाद पैसिफिक व्हेल फाउंडेशन द्वारा हम्पबैक व्हेल के सम्मान में व्हेल डे मनाने की शुरुआत की गयी। इस दिन पैसिफिक व्हेल फाउंडेशन द्वारा परेड और झांकियां निकाली जाती हैं। जिसमें व्हेल की वेशभूषा में बच्चे–बड़े सभी नजर आते हैं। इसके साथ ही कई प्रमुख हस्तियां भी इस कार्यक्रम में शामिल होती हैं।

व्हेल समुद्रों में रहने वाला एक स्तनधारी प्राणी है। जिसे जल का सबसे बड़ा जीव कहा जाता है। इसके सिर के अग्र भाग पर एक छिद्र होता है। जिससे व्हेल सांस लेती है। आकार के बारे में कहा जाता है कि व्हेल हाथी और डायनासोर से भी कई गुना बड़ी होती है। इसकी लंबाई 30 मीटर होती है जबकि वजन 180 टन होता है। ऐसा कहा जाता है कि व्हेल 5 करोड़ वर्ष पूर्व अस्तित्व में आई।

हालंकि, व्हेल पर खढतरे का संकट उस वक्त मंडराने लगा था जब 17वीं शताब्दी में कुछ बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा व्हेल का शिकार व्यापार के लिए किया जाने लगा। जिससे व्हेल का अस्तित्व खढ तरे में आ गया था। इसके बाद 1986 में इंटरनेशनल व्हेलिंग कमीशन ने व्हेल के शिकार पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी।

अगर आप हवाई की यात्रा नहीं कर सकते इसका मतलब नहीं है कि आप आप 'विश्व व्हेल दिवस' नहीं मना सकते हैं। इसके लिए आप भले ही दुनिया के किसी कोने में रहे आप वहां 'विश्व व्हेल दिवस' के दिन व्हेल के संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान चला सकते हैं। इसके लिए आप लोगों को दरिया में प्रदुषण फैलाने से होने वाले नुकसान को गिनाएं। इसके साथ ही आप समंदर में जीवित प्राणियों और समंदर की सबसे बड़ी प्रजाति व्हेल पर्यावरण और पश्थ्वी के लिए क्यों जरूरी है, इस बारे में भी उन्हें जागरूक कर सकते हैं।

विधानसभा क्षेत्र मनकापुर में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा तेज किया गया जनसंपर्क,,

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। गोंडा मनकापुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया गया है आपको बताते चलें कि इस विधानसभा क्षेत्र से रहे हैं और सहयोग मांग रहे हैं पारसनाथ सिंह की अगुवाई में कार्यकर्ता गांव में जा जाकर सभी के घरों पर जाकर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में वोट करने की अपील कर रहे हैं वही अन्य पार्टियों

भाजपा प्रत्याशी के रूप में रमापति शास्त्री चुनाव लड़ रहे हैं और इन के कार्यकर्ता तथा समर्थक विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांव में घर घर जाकर लोगों से पुनः रमापति शास्त्री को जिताने की अपील कर के प्रत्याशी व समर्थक जिस क्षेत्र में डोर टू डोर चुनाव प्रचार कर रहे हैं सपा प्रत्याशी रमेश गौतम के कार्यकर्ता और समर्थक भी क्षेत्र में घर घर जाकर लोगों से संपर्क कर आशीर्वाद मांग रहे हैं।

ग्रामोदय इंटर कॉलेज बांसखेरा में हमराह एक्स कैडेट एन. सी .सी सेवा संस्थान के तत्वधान में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली–सीतापुर। तहसील सिधौली के अंतर्गत ग्रामोदय इंटर कॉलेज बांसखेरा में हमराह एक्स कैडेट एन. सी .सी सेवा संस्थान के तत्वधान में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के छात्र– छात्राओं को मतदाता जागरूकता संबंधित शपथ दिलाई गई। वाह यह संकल्प भी दिलाया गया कि वह अपने गांव मोहल्ले में शत–प्रतिशत मतदान कराएं इस मौके पर संस्थान के सचिव ज्ञानेश पाल धनगर ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा मतदान करना। हर किसी का अधिकार है और हर किसी वो करना भी चाहिए 5 सालों में एक बार लोकतंत्र का पर्व मना कर सरकार चुनने का मौका मिलता है। अगर आप चाहते हैं कि सरकार आपके अनुकूल हो देश के साथ–साथ राज्य में भी विकास होता रहे भारत में आजादी के बाद से ही लोकतंत्र शासन है ऐसे में देश के हर नागरिक को अपने इस कर्तव्य को वह अपने मत को इस्तेमाल करना चाहिए। आपके द्वारा लिया गया आज का पक्का फैसला आपके आने वाले कल के लिए बेहतर होता है। या यह कहें कि आपके द्वारा लिया गया क्या फैसला आपके भविष्य के लिए बेहतर होगा वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य आर .एन.बाजपेई कहा कि हमारा एक एक मत महत्वपूर्ण है। पांच वर्ष में एक बार हर किसी मताधिकार का प्रयोग करके अपनी पसंद का जनप्रतिनिधि विधायक/सांसद चुनते हैं। जिसके आधार पर राज्यों व केंद्र की सरकारों का गठन होता है इस मौके पर राजाराम, स्वामी दयाल यादव, सत्य

को मतदान के जरिए मनपसंद सरकार चुनने का मौका मिलता है। ऐसे में लोगों को इसे चूकना नहीं है। छात्र–छात्राओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान के महत्व को बताते हुए कहा कि हम अपने प्रकाश सिंह, रचित अवस्थी, त्रिलोकनाथ गिरी, कुमारी निशा सिंह, एवं छात्रा राखी यादव, सोनम, आशीष कुमार, विवेक कुमार ,रूबी, अनुष्का सिं,ह गोल्डी, पारुल, प्रीति आदि छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

लखनऊ में फोरलेन आउटर और दोहरीकरण से ट्रेनों को मिलेगी रफ्तार

लखनऊ, (वेब वार्ता)। राजधानी लखनऊ में फोरलेन आउटर और रेलवे लाइन के दोहरीकरण (डबलिंग) से ट्रेनों को रफ्तार मिलेगी। इससे ट्रेनों को बेवजह आउटर पर नहीं रुकना पड़ेगा और यात्रियों का समय भी बचेगा। रेलवे बोर्ड के निर्देश पर उत्तर और पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने ट्रेनों व यात्रियों का लोड कम करने के लिए बाईपास योजना बनाई है। इसके तहत उत्तर रेलवे ने लखनऊ के उतरेटिया से ट्रांसपोर्टनगर के बीच 12 किलोमीटर लम्बे एलिवेटड रूट की डबलिंग की है। पहले इस रूट पर माल गाड़ियों का संचालन होता था, लेकिन रेलवे प्रशासन ने डबलिंग कर रूट को मजबूत कर दिया है। यह बाईपास तैयार हो गया है, जिस पर माल गाड़ियों का ट्रायल बढ़ाया गया है। इस पर कुल 120 करोड़ रुपये के आसपास खर्च किया गया है। इस बाईपास से अयोध्या और रायबरेली रूट से आने वाली ट्रेनों को चारबाग स्टेशन पर लाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ट्रेनों को सीधे ट्रांसपोर्टनगर के रास्ते आगे भेजा जा सकेगा। इस रूट पर फिलहाल चारबाग और लखनऊ जंक्शन स्टेशन की करीब 29 नॉन–प्रीमियम ट्रेनों को शिफ्ट करने की योजना है। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन के मुताबिक, लखनऊ के चारबाग से दिलकुशा और आलमनगर के बीच फोरलेन आउटर बनाने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। बाराबंकी से मल्हौर के बीच तीसरी लाइन बिछाई जाएगी। इसके लिए बजट मिल चुका है। डालीगंज से मल्हौर रेलवे स्टेशन के बीच डबलिंग का कार्य किया जा रहा है। 13 किलोमीटर लम्बे रूट पर 145 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसका 60 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। ऐशबाग से मानकनगर रेलवे स्टेशन के बीच बाईपास का कार्य चल रहा है। 3.8 किलोमीटर लम्बे इस बाईपास पर 81 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इस बाईपास के बन जाने से गोरखपुर रूट की ट्रेनों को सीधे कानपुर की ओर रवाना किया जा सकेगा और लखनऊ जंक्शन नहीं भेजना पड़ेगा। फोरलेन आउटर और डबलिंग से लखनऊ में ट्रेनों को रफ्तार मिलेगी। इससे ट्रेनों को बेवजह आउटर पर नहीं रुकना पड़ेगा और यात्रियों का समय भी बचेगा। दरअसल, कोरोना से पहले आम दिनों में चारबाग रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन करीब सवा लाख से अधिक यात्रियों और 180 ट्रेनों की आवाजाही थी। वहीं लखनऊ जंक्शन पर करीब 50 हजार यात्रियों और 45 ट्रेनों का आवागमन होता था। इससे कई ट्रेनों को लाइन नहीं मिलने की वजह से आउटर पर रुकना पड़ता है। इससे ट्रेनें लेट हो जाती हैं और यात्रियों को दिक्कतें होती हैं।

जूता फैक्ट्री में लगी भीषण आग, मची भगदड़

आगरा, (वेब वार्ता)। आगरा जीवनी मंडी स्थित एक जूता फैक्ट्री में आज सुबह भीषण आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने बड़ी मसक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगरा जीवनी मंडी के चंदा पान वाली गली में आरके इंटरप्राइजेज के नाम से पांच मंजिला में एक जूता फैक्ट्री है। जहां सभी तलों में जूते का काम होता है। जानकारी के अनुसार, रोजाना की भांति कर्मचारियों ने गुरुवार की रात करीबन 9:00 बजे जूता फैक्ट्री को बंद किया था। आज सुबह जब काम करने के लिए कर्मचारी सुबह 9:00 बजे पहुंचे तो फैक्ट्री में से धुंआ निकल रहा था। घटना की जानकारी पर पहुंचे फैक्ट्री मालिक ने जब फैक्ट्री को खोला तो उसमें आग की लपटें उठ रही थी। इससे क्षेत्र में भगदड़ मच गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर सर्विस के अधिकारी अमरपाल सिंह ने बताया कि गालियां सकरी होने के कारण गाड़ी अंदर तक नहीं आ पा रही थी जिस कारण से फायर सर्विस कर्मियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था। पाइप यहां तक लाने में काफी समय भी लगा उसके बावजूद भी आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया। पुलिस द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। इधर, फैक्ट्री मालिक का कहना है की फैक्ट्री में पहले भी आग लग चुकी है। अभी आग में कितना नुकसान हुआ, इसका आंकलन किया जा रहा है।

अयोध्या एयरपोर्ट का काम हुआ शुरू

अयोध्या, (वेब वार्ता)। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने अयोध्या में मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम एयरपोर्ट का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। निर्माण कार्य के लिए बोलियों को अंतिम रूप जा चुके हैं। एएआई के अधिकारियों के अनुसार, परियोजना का पहला चरण लगभग डेढ़ से दो साल में पूरा हो जाएगा, जिसके लिए 150 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। परियोजना के पहले चरण में

दे दिया गया है और बेंगलुरू स्थित विशाल इन्फ्रास्ट्रक्च र ने एएआई की देखरेख में अपना काम शुरू कर दिया है। इसी कंपनी को रनवे के निर्माण के लिए बोली मिली थी। एएआई द्वारा नियुक्त परियोजना प्रभारी राजीव कुलश्रेष्ठ और तीन अन्य अधिकारियों ने कार्यभार संभाला है। अयोध्या हवाई अड्डे के निदेशक, लालजी और एएआई के दो सहायक महाप्रबंधक पहले ही नियुक्त किए एटीआर–72 विमानों के लिए 2,250 मीटर रनवे का निर्माण किया जाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस परियोजना की आधारशिला रखनी थी, लेकिन 8 जनवरी को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण समारोह नहीं हो सका। अधिकारियों के मुताबिक अयोध्या एयरपोर्ट का निर्माण तीन चरणों में किया जाएगा, जिसके लिए करीब 550 एकड़ जमीन की जरूरत होगी। अयोध्या हवाईअड्डे के निर्माण के लिए केंद्र द्वारा 250 करोड़ रुपये की मंजूरी के बाद, उत्तर प्रदेश सरकार ने अतिरिक्त जमीन खरीदने के लिए 321 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। हवाई अड्डे के निर्माण के लिए 555.66 एकड़ अतिरिक्त भूमि खरीदने के लिए कुल 1,001. 77 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। हवाईअड्डे पर विकास कार्यों के लिए 101 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। नवंबर 2018 में, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में ए320 और बी737 जैसे बड़े विमानों के लिए हवाई पट्टी के विकास और एक उपयुक्त रनवे और टर्मिनल भवन के निर्माण की घोषणा की थी। हवाईअड्डा परियोजना को राज्य सरकार द्वारा तेजी से ट्रैक किया गया था, और राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने भी पिछले अक्टूबर में अपनी 23 एकड़ जमीन सौंपने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। हवाई अड्डे के निर्माण के लिए कुलपति के आधिकारिक आवास सहित इस जमीन पर करीब 30 इमारतों को भी केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय को सौंपा जाएगा। अयोध्या हवाई अड्डा केंद्र और राज्य सरकार की कई परियोजनाओं में से एक है जिसे मंदिर शहर के लिए मंजूरी दी गई है।

पोक्सो टीनएज रोमांस के लिए नहीं है: इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज, (वेब वार्ता)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम किशोरों के रोमांटिक मामलों को सुलझाने के लिए नहीं है। अदालत ने एक पॉक्सो आरोपी युवक को जमानत दे दी, जो 14 साल की लड़की के साथ भाग गया और उसके साथ एक मंदिर में शादी कर ली थी। ये युवक जो पहले नाबालिग था, दो साल तक लड़की के साथ रहा, इस दौरान लड़की ने एक बच्चे को जन्म दिया। लड़का ब्राह्मण है जबकि लड़की दलित है। अतुल मिश्रा की जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए, न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी ने कहा कि बढ़ती घटनाएं जहां किशोर और युवा वयस्क पॉक्सो अधिनियम के तहत अपराधों का शिकार होते हैं। अधिनियम की गंभीरता, एक ऐसा मुद्दा है जो इस अदालत की अंतरात्मा के लिए बहुत चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद –15 के अनुसार, बच्चे को यौन शोषण, यौन उत्पीड़न और अश्लील साहित्य के अपराधों से बचाना, 1950 और बच्चों के अधिकारों का संरक्षण (पोक्सो) है। हालाँकि, समस्या अधिनियम के तहत दायर मामलों की एक बड़ी श्रृंखला किशोरों और किशोरों के परिवारों द्वारा दर्ज की गई शिकायतों/प्राथमिकी के आधार पर उत्पन्न होती है, जो प्रेम संबंधों के तहत दर्ज कराई जाती हैं। याचिकाकर्ता को जमानत देते हुए अदालत ने कहा कि निःसंदेह नाबालिग लड़की की सहमति का कानून की नजर में कोई महत्व नहीं है, लेकिन वर्तमान परिश्य में जहां लड़की ने बच्चे को जन्म दिया है और उसके पहले के बयान में उसने अपने माता–पिता के साथ जाने से इनकार कर दिया है और पिछले चार से पांच महीनों से राजकीय बालगश्ह (बालिका) खुल्दाबाद, प्रयागराज में अपने नवजात बच्चे के साथ सबसे अमानवीय स्थिति में रह रही है, यह अपने आप में दयनीय है। राजकीय बालगश्ह (बालिका), खुल्दाबाद, प्रयागराज के प्रभारी को पीड़ित लड़की को उसके बच्चे के साथ रिहा करने का निर्देश देते हुए, अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि बच्चे को माता–पिता के प्यार और स्नेह से वंचित करना बेहद कठोर और अमानवीय होगा। तथ्य यह है कि आरोपी और नाबालिग पीड़ित दोनों एक–दूसरे से प्यार करते थे और शादी करने का फैसला किया था।

ठाकुर-दलित झड़प के बाद के गांव में फैला तनाव

बुलंदशहर, (वेब वार्ता)। बुलंदशहर जिले के ढलना गांव में ठाकुर और दलितों के बीच उस समय तनाव बढ़ गया, जब दलितों की एक बारात पर कथित तौर पर ऊंची जातियों के लोगों ने हमला कर दिया। यह घटना मंगलवार को हुई थी और गुरुवार को ठाकुरों ने इस मुद्दे पर पंचायत बुलाई। हालांकि पुलिस ने पंचायत को होने से रोक दिया। बुलंदशहर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संतोष कुमार सिंह ने कहा, गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है, लेकिन अब शांति है। दोनों समूहों ने एक दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। दोनों समूहों को हिंसा में शामिल नहीं होने का निर्देश दिया गया है। शिकायतकर्ताओं में से एक संजीव राणा ने कहा, गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है लेकिन अब शांति है। दोनों गुटों ने एक दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। करीब 120 लोगों को जमानत दी गई है और दोनों समूहों को हिंसा में शामिल नहीं होने का निर्देश दिया गया है। बुधवार सुबह हुई हिंसा का एक वीडियो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। दलित समुदाय के दस लोगों पर दंगा करने, स्वेच्छा से चोट पहुचाने और शांति भंग करने सहित अन्य अपराधों के लिए मामला दर्ज किया गया है। आरोपों का खंडन करते हुए, दलितों ने दावा किया कि यह ठाकुर थे जिन्होंने बारात पर हमला किया था। विनय कुमार ने दावा किया हमारी बारात शांति से उस गली से गुजर रही थी जहां ज्यादातर घर ऊंची जाति के हैं। उन्होंने हमें गालियां देनी शुरू कर दीं और आधा दर्जन लोगों ने हम पर लाठियों से हमला किया। उनकी शिकायत के आधार पर 5 ठाकुर पुरुषों पर एससी/एसटी अधिनियम के तहत और दंगा और हिंसा करने के लिए भी मामला दर्ज किया गया है।

सेवानिवश्त्त डॉक्टर ने बिहार के उपमुख्यमंत्री के भाई पर लगाया जमीन हड़पने का आरोप

पटना, (वेब वार्ता)। बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले में एक सेवानिवश्त्त डॉक्टर ने गुरुवार को उपमुख्यमंत्री रेणु देवी के भाई के खिलाफ जमीन हड़पने का आरोप लगाया। विनोद कुमार गुप्ता द्वारा डिप्टी सीएम के भाई पर आरोप लगाने का एक वीडियो राजद नेता तेज प्रताप यादव ने ट्वीट किया था। वीडियो में, गुप्ता को रेणु देवी के भाई रवि कुमार उर्फ पिन्नू पर बेतिया शहर में उसकी जमीन का एक टुकड़ा कथित रूप से हथियाने का आरोप लगाते हुए सुना जा सकता है। गुप्ता ने वीडियो में कहा कि मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मामले का संज्ञान लेने और बेतिया के पुलिस प्रशासन को रवि कुमार उर्फ पिन्नू और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने की अपील कर रहा हूं। रवि कुमार उर्फ पिन्नू उमा, शकीला खातून और अन्य लोग पूबेर्सी रोड पर उमा खड़ भंडार के पास स्थित मेरी जमीन हड़पने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने मुझे और मेरे परिवार के सदस्यों को गंभीर धमकी दी है। अगर हम जमीन नहीं सौंपेंगे तो परिणाम भुगतने होंगे। गुप्ता ने कहा कि मैं उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए पुलिस स्टेशन गया था, लेकिन पुलिस ने मेरा आवेदन स्वीकार करने से इनकार कर दिया। वे डिप्टी सीएम और उनके भाई के दबाव में काम कर रहे हैं। लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेजप्रताप ने अपने पोस्ट में नीतीश कुमार और रेणु देवी को टैग करते हुए गुप्ता को न्याय दिलाने को कहा। उन्होंने आरोपितों के खिलाफ जांच शुरू करने को भी कहा। बेतिया का बाहुबली माना जाने वाला रवि कुमार पहले भी जमीन हड़पने के कई मामलों में शामिल रहा है। पिछले साल वह पटना में जमीन हड़पने के एक मामले में शामिल था। उस समय रेणु देवी ने दावा किया था कि उनका अब अपने भाई से कोई संबंध नहीं है।

यूपी चुनाव: मंत्री पर चुनाव कर्मियों से बदसलूकी का मामला दर्ज

मेरठ,(वेब वार्ता)। राज्य मंत्री दिनेश खटीक के खिलाफ चुनाव ड्यूटी पर अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह मामला पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पहले चरण के मतदान के कुछ दिनों बाद सामने आया है। घटना का एक वीडियो 10 फरवरी को मतदान के दिन वायरल हुआ था, जिसमें भाजपा विधायक एक मतदान केंद्र पर एक पुलिसकर्मी को डांटते हुए दिखाई दे रहे थे। हस्तिनापुर निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार खटीक ने कथित तौर पर कहा था कि नौकरी करनी है की नहीं। खटीक के समर्थकों ने मतदान कर्मियों के साथ भी मारपीट की जिससे मतदान 20 मिनट तक रुका रहा। मवाना सर्कल ऑफिसर (सीओ) उदय प्रताप सिंह ने कहा कि मंत्री ने चुनाव में लगे कर्मचारी को ध्मकाया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। यह एक संज्ञेय अपराध है। पुलिस के अनुसार, खटीक के समर्थकों ने यह आरोप लगाते हुए हंगामा किया था कि निर्वाचन क्षेत्र में मतदान के दिन एक चुनाव अधिकारी ने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार के पैर छुए थे। सीओ ने बताया कि मंत्री के खिलाफ अभियान के अंतिम दिन आठ फरवरी को बिना अनुमति के हस्तिनापुर में रोड शो करने पर अलग से प्राथमिकी दर्ज की गयी थी।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अखिलेश कटियार ने मांगे मनु के समर्थन में वोट

अवध की आवाज

कानपुर। समाजवादी पार्टी

के राष्ट्रीय सचिव अखिलेश कटियार ने विधानसभा भोगनीपुर से सपा प्रत्याशी नरेंद्र पाल सिंह मनु के समर्थन में विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव में जाकर वोट मांगे। सपा प्रत्याशी के समर्थन में वोट मांगते हुए जब वो बीबापुर गांव पहुंचे तो वहां पर उनका जोरदार स्वागत किया गया तथा उसी गांव के निवासी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा वर्तमान कानपुर मंडल उपाध्यक्ष युवा मोर्चा सत्यम कटियार ने भी तोहफा देकर उनका स्वागत करते हुए बुके भेंट की। श्री कटियार ने कहा कि इस बार सभी लोग समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को जिता कर विधायक बनाएं व प्रचंड बहुमत से सपा की सरकार बनाएं। इसके बाद उन्होंने मंडल उपाध्यक्ष सत्यम कटियार, अंशुल पटेल, जगदीश पटेल, सुजीत कटियार सहित दर्जनों लोगों के साथ मिलकर बीबापुर, दोहरापुर,कृपालपुर,गोरी करनपुर अन्य गांव में जाकर जनसंपर्क किया।

लखनऊ में सेवानिवश्त्त बैंकर की उनके घर में हत्या

लखनऊ, (वेब वार्ता)। यहां पुलिस चौकी से कुछ ही मीटर की दूरी पर मड़ियां थाना क्षेत्र में एक सेवानिवश्त्त बैंकर की उसके घर में हत्या कर दी गई। घटना गुरुवार शाम को हुई और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) उत्तर प्राची सिंह ने कहा कि व्यक्ति की पहचान 74 वर्षीय ललित मोहन पांडे के रूप में हुई है। वह एक सेवानिवश्त्त बैंकर थे। ऐसा लगता है कि उन पर किसी धारदार हथियार से हमला किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पत्नी प्रीति के शाम की सैर पर जाने के बाद पांडे अपने घर पर बिल्कुल अकेले थे। वह घर लौटी तो उसे खून से लथपथ पड़ा मिला। उसने शोर मचाया और पड़ोसी इकट्ठे हो गए और पुलिस को बुलाया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पांडे के गाल और हाथ पर गहरे घाव के अलावा शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। पांडे 2007 में सेवा से सेवानिवश्त्त हुए थे। पुलिस ने कहा, वस्तुएं घर में फर्श पर बिखरी पड़ी मिलीं। बदमाशों ने कुछ धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया। सूत्रों ने कहा कि हत्या में अंदरूनी सूत्र की भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता है। लखनऊ के पुलिस आयुक्त डी.के. ठाकुर ने कहा कि संभव है कि घटना को किसी एक बदमाश ने अंजाम दिया हो। आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है।

सड़क हादसा में 4 लोगों की मौके पर ही मौत

रायपुर, (वेब वार्ता)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में बीती रात एक सड़क हादसा में 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई । पटेवा थाना से मिली जानकारी के अनुसार झलप से तेन्दूकोना रोड पर बरेकेल कला के पास बीती रात बड़ा सड़क हादसा हुआ है।क्षेत्र के बरेकेल कला के पास एक बाइक, अज्ञात वाहन से जा टकराई है। इस हादसे में मां–बेटे समेत 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। तेन्दूकोना रोड पर बरेकेल कला के पास हुए इस हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर चारों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बागबाहरा ले आई। जहां सभी को मश्त घोषित कर दिया गया। चारों मृतक बंसुला डबरी के रहने वाले हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

महाभ्रष्ट व्यवस्था पर एक मजबूत सरकार से मजबूत कार्रवाई की अपेक्षा की जाती है: वरुण गांधी

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने मजबूत सरकार के दावे पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि एक मजबूत सरकार से भ्रष्टाचार पर मजबूत कार्रवाई की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने विजय माल्या , नीरव मोदी और ऋषि अग्रवाल को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ जहां कर्ज के बोझ तले दब कर देश में रोज लोग आत्महत्या कर रहे हैं, वहीं ऐसे अमीर लोगों का जीवन वैभव के चरम पर है। पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा , विजय माल्या: 9000 करोड़ , नीरव मोदी: 14000 करोड़, ऋषि अग्रवाल: 23000 करोड़। आज जब कर्ज के बोझ तले दब कर देश में रोज लगभग 14 लोग आत्महत्या कर रहे हैं, तब ऐसे धन पशुओं का जीवन वैभव के चरम पर है। अपनी ही पार्टी के नेताओं द्वारा किए जा रहे मजबूत सरकार के दावे पर कटाक्ष करते हुए वरुण गांधी ने आगे लिखा , इस महा भ्रष्ट व्यवस्था पर एक मजबूत सरकार से मजबूत कार्रवाई की अपेक्षा की जाती है। इससे पहले वरुण गांधी ने कर्ज के बोझ तले लोगों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्या को लेकर भी सरकारी नीति पर सवाल खड़ा करते हुए 14 फरवरी को सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा था , देश का किसान या छोटा दुकानदार हजारों रुपए का भी कर्ज चुका पाए तो उनकी कुर्की होगी या उन्हे आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ता है, लेकिन हजारों करोड़ की चोरी करने वालों को आसानी से जमानत मिल जाती है और ये लोग मनमानी कीमत पर लेन–देन कर फिर से अपने वैभवशाली जीवन में लौट जाते हैं। भाजपा सांसद ने मोदी सरकार द्वारा नए भारत के निर्माण की परिकल्पना पर भी सवाल खड़ा करते हुए सरकार की आलोचना की थी।

युवती से दुष्कर्म के बाद वीडियो वायरल कर तुड़वाई शादी, धर्मपरिवर्तन कर खुद से निकाह के लिए कर रहा मजबूर

फतेहपुर। फतेहपुर जिले के खखरेरू थाना क्षेत्र में एक युवती से दुष्कर्म की वारदात के बाद उसका वीडियो बना डाला। वीडियो वायरल कर युवती की शादी तुड़वा दी। उसके बाद निकाह करने के लिए धर्मपरिवर्तन कराने की कोशिश की। पुलिस के सुनवाई नहीं करने पर युवती ने महिला आयोग और एसपी से शिकायत की।जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। खखरेरू थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 21 वर्षीय युवती का आरोप है कि दो साल पहले जंगल में गांव के शमीम ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। शमीम के साथी ने इस दौरान मोबाइल में वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कई बार शमीम ने उसका शारीरिक शोषण किया। उसकी फरवरी 2021 में शादी तय हो गई। लड़के पक्ष को शमीम ने वीडियो वायरल कर दिया। जिससे उसकी शादी टूट गई। शादी तुड़वाने को लेकर शमीम का विरोध किया तो उसने शादी करने की बात कही। शादी से पहले धर्मपरिवर्तन को मजबूर करने लगा। युवती ने धर्मपरिवर्तन करने से मना कर दिया। तभी शमीम ने धमकी दी कि वह

कहीं भी शादी नहीं कर पाएगी। जहां भी रिश्ता तय होगा, वहीं वीडियो वायरल कर देगा। युवती का आरोप है कि उसे लगातार ब्लैकमेल कर शमीम धमकी देता है। उसकी धमकी से युवती और उसका परिवार परेशान हो गया है। प्रभारी निरीक्षक राजकिशोर ने बताया कि तहरीर पर सामूहिक दुष्कर्म, धमकी, आईटी एक्ट, धर्म परिवर्तन की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। दुष्कर्म का आरोप शमीम पर लगा है। उसका एक साथी सहयोगी के रूप में था। उसने वीडियो बनाया। तभी सामूहिक दुष्कर्म में मुकदमा दर्ज हुआ है।

युवक की धारदार हथियार से हत्या, प्रेम प्रसंग में बाधक बनने पर दोस्तों ने उतारा मौत के घाट, दो गिरफ्तार

उन्नाव। उन्नाव जिले में बीघापुर थाना क्षेत्र के रावतपुर में प्रेम प्रसंग के चलते युवक की धारदार हथियार से हत्या कर शव रेलवे ट्रैक फाटक के पास फेंक दिया गया। मृतक की बहन की तहरीर पर पुलिस ने तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर दो को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने हत्या की बात स्वीकार की है। रावतपुर निवासी सुनील कुमार का बेटा शिवम लोडर का क्लीनर था। शिवम व उसके दोस्त सूरज, विशाल, राहुल का एक ही युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। सूरज अपने दोस्त शिवम को अपनी राह में रोड़ा मानने लगा। शिवम को रास्ते से हटाने की योजना बना ली। सूरज गुरुवार दोपहर 3 बजे शिवम को अपनी बाइक पर बैठा कर ले गया। रात 10 बजे उसने दोनों दोस्तों की मदद से लोहे की रॉड से चेहरे पर वारकर हत्या कर दी। आत्महत्या दर्शाने के लिए शव को रेलवे पटरी पर फेंकने के लिए ले जा रहे थे। विपरीत दिशा से आ रहे एक लोडर की लाइट आंखों में पड़ने पर सभी शव को रावतपुर रेलवे क्रॉसिंग गेट के पास फेंककर चले गए। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि मृतक की बहन शालिनी की तहरीर पर उसके तीनों दोस्त सूरज, विशाल व राहुल के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर दो को गिरफ्तार किया गया है। दोनों की निशानदेही पर मृतक का आधार कार्ड व मोबाइल का कवर बरामद किया गया है। मोबाइल सूरज लेकर चला गया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

ऑफलाइन परीक्षा के विरोध में तेज हुआ आंदोलन, छात्रों ने विवि के मुख्य गेट पर जड़ा ताला

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 22 अप्रैल से प्रस्तावित स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की परीक्षा को ऑफलाइन मोड में कराने का विरोध जोर पकड़ता जा रहा है। ऑनलाइन परीक्षा कराने की मांग को लेकर छात्रों ने शुक्रवार को तीसरे दिन भी जमकर हंगामा किया। आक्रोशित छात्र पूरी रात कैंपस में डंटे रहे। सुबह विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया। छात्रों के आंदोलन को देखते हुए कैंपस में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 22 अप्रैल से स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की परीक्षा प्रस्तावित है। परीक्षाएं आफलाइन मोड में कराई जाएंगी। इसका छात्र पुरजोर विरोध कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि परीक्षा ऑनलाइन मोड में कराई जाए और इसके लिए वह बुधवार से ही आंदोलन, धरना और प्रदर्शन कर रहे हैं।

पूरी रात कैंपस में डंटे रहे छात्र, कई थानों की फोर्स बुलाई गई

गुरुवार की देर रात तक छात्रों का हंगामा चलता रहा। छात्र पूरी रात परिसर में ही डंटे रहे। सुबह नौ बजे छात्रों का हुजूम पहुंचते ही भारी पुलिस बल भी तैनात कर दिया गया। कैंपस में कई थानों की पुलिस भी पहुंच गई. गुरुवार

को इस मामले को लेकर छात्रों की पुलिस से तीखी नोकझोंक भी हुई थी। परीक्षा नियंत्रक ने छात्रों की मांगों पर विचार करने के लिए 14 दिनों का वक्त भी मांगा था, लेकिन छात्र तुरंत निर्णय लेने की मांग पर अड़े हैं।

कोरोना से अभिभावकों को खोने वाले छात्रों की पूरी फीस माफ करेगा इलाहाबाद विश्वविद्यालय

इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय समेत संघटक कालेजों में कोरोना में अभिभावकों को खोने वाले छात्रों को मुफ्त में प्रवेश दिया जाएगा। सत्र 2021–22 की पूरी फीस माफ करने के साथ हास्टल शुल्क में 50 फीसद की भी राहत दी जाएगी। माता–पिता दोनों को खोने वाले छात्र–छात्राओं को ही इस सुविधा का लाभ मिल सकेगा। विवि पूर्व में लिए गए इस निर्णय को अब लागू करने की तैयारी कर रहा है।

अचानक नगर भ्रमण पर निकले डीएम, गन्दगी व कूड़ा देख नाराज डीएम ने ईओ को लगाई कड़ी फटकार

नगर मजिस्ट्रेट से सुबह शाम साफ सफाई की मांगी रिपोर्ट

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। शुक्रवार को डीएम डॉ0 उज्ज्वल कुमार ने नगर क्षेत्र का औचक भ्रमण कर नगर में साफ–सफाई व्यवस्था का जायजा लिया जिसमें डीएम को नगर के विभिन्न क्षेत्रों मे जगह जगह गन्दगी व कूड़ा आदि मिला। गन्दगी देख जिससे बेहद डीएम नाराज हो गए और मौके पर ही मौजूद अधिशासी अधिकारी नगर पालिका संजय मिश्रा को कड़ी फटकार लगाते हुए कार्यवाही की चेतावनी दी। डीएम द्वारा नगर क्षेत्र में अवस्थित पोलिंग को आगाह किया है कि अपनी कार्यशैली में सुधार लाते हुए नगर क्षेत्र की साफ–सफाई का प्रतिदिन सधन पर्यवेक्षण करें तथा यह सुनिश्चित करें कि सार्वजनिक स्थानों, बाजार तथा मुख्य मार्ग, गलियों की प्रतिदिन अच्छी तरह सफाई हो। साथ ही साथ कूड़े का उठान व निस्तारण नियमित रूप से किया जाए। जिलाधिकारी ने स्पश्ट कहा है कि उनके द्वारा आकस्मिक रूप से नगर क्षेत्र का पुनः भ्रमण किया जाएगा तथा निर्देशों का सम्यक् अनुपालन न पाए जाने की स्थिति में

बूथों के निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि नगर की साफ–सफाई अत्यन्त खराब है। सड़क के किनारे जगह–जगह कूड़ा पड़ा हुआ है। भ्रमण के दौरान गांधी पार्क, टाउन हाल, राधाकुण्ड, राजकीय लाइब्रेरी, रामलीला मैदान, मण्डी स्थल के सामने व विभिन्न चौराहों की सफाई व्यवस्था की स्थिति बहुत ही खराब स्थिति में देखी गई। गांधी पार्क देखने से प्रथम दृष्ट्या यह परिलक्षित होता है कि यहां पर कई दिनों से झाड़ू नहीं लगाया गया है। जिलाधिकारी ने ईओ नगर पालिका उनके विरूद्ध कठोर अनुशासनिक कार्यवाही हेतु उच्चाधिकारियों को संस्तुति प्रेषित की जाएगी। इसके अलावा जिलाधिकारी नगर मजिस्ट्रेट/प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय को निर्देश दिए हैं कि वे प्रतिदिन सुबह एवं शाम को नगर क्षेत्र का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था की स्थिति देखें तथा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराएं और उन्हें रिपोर्ट दें। जिलाधिकारी ने जनपद की अन्य नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को भी इस संबन्ध में निर्देश जारी किए हैं।

अमेरिकी न्यायाधीश ने ट्रंप को जांच के सिलसिले में बयान दर्ज कराने का आदेश दिया

न्यूयॉर्क ,(वेब वार्ता)। अमेरिका में एक न्यायाधीश ने बश्हस्पतिवार को आदेश दिया कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी कारोबारी गतिविधियों की जांच के सिलसिले में सवालों के जवाब दर्ज कराएं। न्यायाधीश आर्थर एन्गोरोन ने आदेश दिया कि ट्रंप और उनके दो बच्चे इवांका तथा डोनाल्ड ट्रंप जूनियर न्यूयॉर्क के अटॉर्नी जनरल लेतिशिया जेम्स द्वारा दिसंबर में जारी किए गए सम्मन का पालन करें। उन्होंने कहा कि ट्रंप और उनके दो बच्चे 21 दिनों के अंदर अपने बयान दर्ज कराएं। न्यायाधीश ने ट्रंप और जेम्स के कार्यालय के वकीलों की दो घंटे तक चली जिरह के बाद यह फैसला दिया। अदालत ने कहा, ''अंतिम विश्लेषण में, राज्य के अटॉर्नी जनरल ने एक कारोबारी ईकाई की जांच शुरू की और संभावित वित्तीय धोखाधड़ी के प्रचुर सबूतों का पता लगाया तथा वह इस कारोबार से जुड़े कई

लोगों से सवाल–जवाब करना चाहती हैं। उनके पास ऐसा करने का स्पष्ट अधिकार है। इस फैसले के खिलाफ अपील की जा सकती है। ट्रंप के प्रवक्ता ने अभी इस फैसले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। जेम्स ने कहा कि उनकी जांच में ऐसे सबूत मिले हैं कि ट्रंप की कंपनी ने कर्ज और कर में छूट लेने के लिए गोल्फ कोर्स और स्काईस्क्रैपर्स जैसी संपत्तियों के मूल्यांकन में ''फर्जीवाड़ा'' किया।

कपिल शर्मा की नई फिल्म का ऐलान, फूड डिलीवरी राइडर के रुप में आएंगे नजर

मुंबई, (वेब वार्ता)। मशहूर स्टैंड अप कॉमेडियन व अभिनेता कपिल शर्मा की नई फिल्म का ऐलान गुरुवार को गया है। कपिल

शर्मा जल्द ही अभिनेत्री व निर्देशिका नंदिता दास की फिल्म में अभिनय करते नजर आएंगे। हालांकि फिल्म का टाइटल क्या होगा यह अभी साफ नहीं हो पाया है। इस अनटाइटल्ड फिल्म में कपिल शर्मा के साथ अभिनेत्री शहाना गोस्वामी भी नजर आएंगी। कपिल शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिये अपनी इसके बारे में जानकारी देते हुए लिखा–'अप्लॉज एंटरटेनमेंट और नंदिता दास इनिशिएटिव्स साल के सबसे रोमांचक प्रोजेक्ट को पेश करने जा रहे हैं। लेखक–निर्देशक–निर्माता नंदिता दास ने कपिल शर्मा के साथ एक फूड डिलीवरी राइडर के पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में टीम बनाई है। कपिल के साथ शहाना गोस्वामी फीमेल लीड के तौर पर जुड़ेंगी। आपका आशीर्वाद चाहिए! फिल्म में शहाना गोस्वामी कपिल के अपोजिट लीड रोल में होंगी और फिल्म में कपिल शर्मा की पत्नी का किरदार निभाती नजर आएंगी। वहीं कपिल शर्मा इस फिल्म में एक फूड डिलीवरी राइडर के रूप में नजर आएंगे। कपिल शर्मा अपनी इस नई फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं और फैंस को भी इस फिल्म का इन्तजार है। फिलहाल फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म के शेड्यूल की शूटिंग अगले महीने यानी मार्च में भुनेश्वर में शुरु होगी।

तमिल और तेलुगु में जारी हुए अक्षय कुमार की फिल्म 'पृथ्वीराज' के पोस्टर्स

मुंबई, (वेब वार्ता)। अक्षय कुमार, मानुषी छिल्लर, सोनू सूद और संजय दत्त की आगामी फिल्म

पृथ्वीराज इस साल 10 जून को हिंदी, तमिल और तेलुगु में सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हाल ही में इस फिल्म के मेकर्स ने फिल्म के सभी लीड एक्टर्स का फर्स्ट लुक पोस्टर हिंदी में जारी किया था। वहीं अब मेकर्स ने गुरुवार को फिल्म के पोस्टर्स तमिल और तेलुगु भाषा में जारी किये हैं। फिल्म पृथ्वीराज एक ऐतिहासिक पीरियड ड्रामा फिल्म है। फिल्म में अक्षय कुमार सम्राट पृथ्वी राज के किरदार में होंगे। अभिनेत्री मानुषी छिल्लर राजकुमारी संयोगिता के किरदार में नजर आएंगी। संजय दत्त 'काका कन्हा' के किरदार में और सोनू सूद राजकवि चंद बरदाई के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में आशुतोष राणा और साक्षी तंवर का किरदार भी महत्वपूर्ण होगा। चंद्रप्रकाश द्विवेदी द्वारा निर्देशित इस फिल्म को आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं।

फिरोजाबाद जिले की 5 विधानसभा सीटों पर भाजापा और सपा की प्रतिष्ठा दांव पर लगी

चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में प्रत्याषियों ने झोंकी पूरी ताकत

फिरोजाबाद (वेब वार्ता)। फिरोजाबाद जिले की 5 विधानसभा सीटों के लिए 20 फरवरी को मतदान के लिए शुक्रवार शाम को प्रचार समाप्त होने के साथ ही अब प्रत्याशियों के सामने हार–जीत को लेकर प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है खासतौर से भारतीय जनता पार्टी और सपा प्रत्याशी के बीच फिरोजाबाद और सिरसागंज में बसपा त्रिकोणीय संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। फिरोजाबाद सदर सीट पर शिटिंग विधायक भाजपा प्रत्याशी मनीष असीजा दो बार के विधायक होने के कारण जनता के बीच अपनी काफी मजबूत स्थिति बनाए हुए हैं उन्होंने कर्मठ शैली से अपनी खास पहचान बनाई हुई है जिसे काट पाना हर प्रत्याशी को भारी लग रहा है समाजवादी पार्टी ने नए चेहरा सैफ उर रहमान को प्रत्याशी बनाया है । किंतु उनका अपना कोई खास सामाजिक राजनैतिक कार्यक्षेत्र नहीं रहा है वही समाजवादी पार्टी के ही पूर्व विधायक अजीम भाई टिकट ना मिलने से बागी होकर समाजवादी पार्टी को सीधा नुकसान पहुंचाने का काम कर रहे हैं क्योंकि उनकी पत्नी शाजिया हसन बहुजन समाजवादी पार्टी से चुनाव मैदान में करारी टक्कर देने का काम कर रही हैं इसके अलावा कांग्रेस के संदीप तिवारी भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराए हुए है। ए आई एम आई एम के बबलू राठौर आप पार्टी की नीतू सिंह सहित कुल 11 लोग अपने–अपने भाग्य अजमाइश के लिए पूरी ताकत से लगे हुए है। शिकोहाबाद विधानसभा सीट पर चुनाव बड़ा दिलचस्प है क्योंकि भाजापा ने समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक ओमप्रकाश वर्मा को पार्टी प्रत्याशी बनाया है तो समाजवादी पार्टी ने भाजपा के शिटिंग विधायक डॉ मुकेश वर्मा को पार्टी प्रत्याशी बना दिया है दोनों प्रत्याशी अपनी–अपनी जीत का दावा करते हुए मतदाताओं को लुभाने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं भारतीय जनता पार्टी के नेता और समाजवादी पार्टी के नेताओं द्वारा क्षेत्र का दौरा कर अपनी–अपनी पार्टी के प्रत्याशियों को जीत दिलाने का आवाहन किया गया। शिकोहाबाद से बसपा ने अनिल यादव को प्रत्याशी बनाकर लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश की है यादव समुदाय के लोग यदि बसपा उम्मीदवार को पसंद करेंगे तो लड़ाई रोचक बन सकती है। क्योंकि समाजवादी प्रत्याशी मुकेश वर्मा से क्षेत्र की जनता आहत नजर आ रही है । कांग्रेस ने श्रीमती शशि शर्मा को प्रत्याशी बनाकर उपस्थिति दर्ज कराई है तो आप पार्टी ने शीलेन्द्र कुमार और एआई एम आई एम ने प्रीति मिश्रा को प्रत्याशी बनाया है यहां से कुल 8 उम्मीदवार अपने भाग्य की जोर अजमाइश कर रहे है। सिरसागंज विधानसभा सीट पर दो बार से समाजवादी पार्टी का कब्जा है इस सीट पर यह तीसरा चुनाव होगा इस विधानसभा सीट पर सबसे रोचक मुकाबला है क्योंकि समाजवादी पार्टी के शिटिंग विधायक हरि ओम यादव जो सैफई परिवार के संबंधी है इस बार वह भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ कर समाजवादी पार्टी को ही शिकस्त देने का काम कर रहे हैं समाजवादी पार्टी ने सर्वेश सिंह को यहां से प्रत्याशी बनाया है सीट पर सैफई परिवार की प्रतिष्ठा दांव पर लग रही है। जिसके लिए रामगोपाल यादव और अखिलेश यादव ने भी पूरी ताकत लगा दी है। सिरसागंज सीट पर कांग्रेस ने प्रतिमा पाल और बसपा ने पंकज मिश्रा को चुनाव मैदान में उतारा है पंकज मिश्रा जरूर पूरे दम खम से चुनाव प्रचार कर चुनाव को त्रिकोणीय संघर्ष में बदलने की कोशिश कर रहे कुल मिलाकर यहां पर 11 उम्मीदवार अपने भाग्य अजमाइश में लगे हुए हैं। जसराना विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी ने जिलाध्यक्ष मानवेंद्र लोधी को यहां से चुनाव मैदान में उतारा है । वह पार्टी और सजातीय वोट बैंक के भरोसे जीत के लिए आश्वस्त हैं। 2017 में भाजपा के रामगोपाल लोधी ने जीत हासिल की थी समाजवादी पार्टी ने इस बार नए चेहरे सचिन यादव को चुनाव मैदान में उतार कर भारतीय जनता पार्टी को टक्कर देने की कोशिश की है मगर समाजवादी पार्टी के ही बागी शिव प्रताप सिंह ने समाजवादी पार्टी प्रत्याशी की मुश्किलें बड़ा दी हैं बहुजन समाजवादी पार्टी ने सूर्य प्रताप सिंह को प्रत्याशी बनाया है तो आप ने अमित यादव कांग्रेस ने विजय नाथ वर्मा को प्रत्याशी बनाकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रखी है । इस सीट पर 10 लोग चुनाव मैदान में अपना भाग्य अजमाइश कर रहे हैं। जिले की एकमात्र सुरक्षित टूंडला विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी ने शिटिंग विधायक प्रेमपाल धनगर पर फिर दांव लगाया हुआ है वही समाजवादी पार्टी ने बसपा के पूर्व विधायक राकेश बाबू को प्रत्याशी बनाकर चुनोती देने की कोशिश की गई है तो बसपा ने अमर सिंह तो प्रत्याशी बनाकर राकेश बाबू के समीकरण बिगाड़ने का काम कर दिया कांग्रेस ने श्रीमती योगेश दिवाकर और आप पार्टी ने बबलू सिंह को प्रत्याशी बनाकर चुनावी अखाड़े में उतारा है इस सीट पर सबसे अधिक 13 उम्मीदवार अपने भाग्य की अजमाइश में लगे हुए हैं। बरहाल चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में सभी उम्मीदवार अपने–अपने जीत के दावे कर रहे है किंतु समाजवादी गढ़ भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी समाजवादी प्रत्याशियों को घेर ने का काम कर रहे 2017 में जिले की चार विधानसभा सीट भारतीय जनता पार्टी जीतने में कामयाब रही थी इस बार कड़ी टक्कर की बीच भाजापा अपने अस्तित्व को कितना कायम रख पाएगी या समाजवादी पार्टी का सूपड़ा ही साफ कर देगी यह तो 10 मार्च को मतदाताओं का फैसला बता पाएगा फिलहाल समाजवादी पार्टी अपने गढ़ को बचाने की पुरजोर कोशिश में लगी है तो भाजापा पूरी तरह पांचों सीटों पर परचम फहराने को आतुर है।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954
मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।